भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
29.07.2015 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या 1574.

यूरेनियम भण्डारों का दोहन

1574. **श्री गौरव गोगोई :**
श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया :
श्री गुत्था सुकेंद्र रेड्डी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **क्या वर्तमान में परमाणु विद्युत संयंत्र यूरेनियम की अनुपलब्धता से ग्रस्त हैं एवं यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

(ख) **क्या झारखण्ड, मेघालय, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, तमिलनाडु और बिहार जैसे राज्यों में बड़ी मात्रा में अदोहित यूरेनियम के भण्डार हैं, जिनके एक लाख टन होने का अनुमान है;**

(ग) **यदि हाँ, तो इन भण्डारों के अदोहित रहने के क्या कारण हैं जबकि सरकार विदेशी स्त्रोतों का आश्रय ले रही है;**

(घ) **क्या सरकार ने उक्त राज्यों में यूरेनियम भण्डारों के दोहन/खनन के लिए कोई कदम उठाए हैं; और**

(ड.) **यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है एवं यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं?**

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) **जी, नहीं।**

(ख) **परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) का एक संघटक यूनिट है, ने, यूरेनियम संसाधनों की खोज की है, जिनमें से अधिकांश आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, झारखण्ड, मेघालय तथा राजस्थान राज्यों में हैं। वर्तमान में, परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) ने, तमिलनाडु तथा बिहार राज्यों में किसी बड़े भंडार का पता नहीं लगाया है।**

(ग) **खनन प्रौद्योगिकी तथा अर्थशास्त्र ऐसे महत्वपूर्ण मानदण्ड हैं जिनके आधार पर किसी निक्षेप के दोहन की स्थिति का निर्णय किया जाता है। इन मानदण्डों के आधार पर, वर्तमान में बहुत से छोटे निक्षेप खनन के लिए अनुकूल नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, तार्किक दृष्टिकोण, प्रौद्योगिकी की वर्तमान स्थिति, सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से विचार किया जाना, पर्यावरणीय पहलुओं, जल संसाधनों का अभाव इत्यादि की वजह से आईं अड़चनें, मेघालय, राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना के कुछ निक्षेपों में खनन की प्रक्रिया शुरु करने में बाधक हैं।**

संभावित रूप से सक्षम सभी यूरेनियम संसाधनों के पूरी तरह से उपयोग किए जाने के प्रयासों में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जा रही है। तथापि, भारत में उपलब्ध यूरेनियम के संसाधन सभी वर्तमान रिएक्टरों तथा भविष्य में लगाए जाने के लिए योजनाबद्ध रिएक्टरों की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु पर्याप्त नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के सुरक्षोपायों के अधीन वाले सभी भारतीय रिएक्टरों में आयातित यूरेनियम का उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है।

(घ) जी, हाँ।

(ड.) यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल), जोकि, परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, देश में यूरेनियम अयस्क के खनन तथा संसाधन के कार्य में लगा हुआ है।

कम्पनी द्वारा झारखण्ड में सात यूरेनियम खानों तथा दो संसाधन संयंत्रों का परिचालन किया जाता है। इनमें से कुछ यूनिट अपनी क्षमता का विस्तार कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के तुम्मलापल्ली में एक बड़ी भूमिगत खान तथा संसाधन संयंत्र का निर्माण किया गया है, तथा इसमें शीघ्र ही उत्पादन प्रारंभ होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, कर्नाटक में गोगी स्थित एक नई भूमिगत खान, मेघालय में किलेंग पेंडेंगसोहियांग मावथाबाह (केपीएम) स्थित विवृत्त गर्त खान, तेलंगाना में लम्बापुर स्थित एक विवृत्त गर्त तथा तीन भूमिगत खान, और राजस्थान के सीकर जिले में एक यूरेनियम खनन परियोजना क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

* * * * * * *